पाठ्य पुस्तकों का चुनाव करते समय ध्यान देने योग्य बातें

1. पाठ्य-पुस्तक का नाम—इसकी उपयुक्तता एवं ग्राह्यता।

2. लेखक—उसकी योग्यता, अनुभव एवं प्रसिद्धि। उसके विचारों में स्पष्टवादिता, निष्पक्षता एवं मौलिकता। उसकी विषय विशेषज्ञता, मनोविज्ञान का ज्ञान, शिक्षण विधियों का ज्ञान एवं प्रगतिशील विचारधारा आदि।

3. विषय-सूची—पाठ्यक्रम के अनुसार उसका महत्व एवं क्षेत्र, उसकी ग्राह्यता।

4. अन्तर्वस्तु का चयन एवं संगठन—

(1) पाठ्यक्रम के उद्देश्यों के अनुरूप अन्तर्वस्तु का चयन।

(2) छात्रों की रुचि, योग्यता, मानसिक स्तर, संवेगात्मक स्तर एवं प्रवृत्तियों से अन्तर्वस्तु की अनुकूलता।

Scanned by CamScanner

(3) अन्तर्वस्तु की सामाजिक उपयुक्तता–सामाजिक एवं आर्थिक विकास तथा नागरिकों में नव-जागरण कर सकने की क्षमता।

(4) अन्तर्वस्तु के संगठन की मनोवैज्ञानिकता–अध्यायों का क्रम बालकों के मानसिक विकास क्रम के अनुसार।

(5) अन्तर्वस्तु के संगठन की शिक्षण विधियों से अनुकूलता।

(6) अन्तर्वस्तु के चयन में प्रजातान्त्रिक आदर्शों एवं मूल्यों का ध्यान।

5. प्रस्तुतीकरण–प्रस्तुतीकरण निम्नांकित गुणों से युक्त होना चाहिए–

(7) छात्रों में स्वतः अध्ययन करने की आदत विकसित कर सकने की क्षमता।

(8) छात्रों विषय के प्रति रुचि विकसित कर सकने की क्षमता।

(9) अन्य विषयों से अच्छा सह-सम्बन्ध।

(10) शिक्षण-विधियों के अनुकूल।

(11) शिक्षण सूत्रों के अनुरूप।

(12) सीखने के नियमों एवं सिद्धान्तों का अनुसरण।

(13) निर्देशित अध्ययन के अवसर प्रदान करने की सम्भावना।

(14) छात्रों के मानसिक एवं संवेगात्मक स्तर के अनुकूल।

(15) व्यक्तिगत-भिन्नता की आवश्यकताओं की पूर्ति की सम्भावना।

(16) बालकों के मानसिक विकास में सहायक।

(17) उपयुक्त एवं सरल भाषा-शैली

(18) **उदाहरण एवं चित्र आदि**– (i) शाब्दिक एवं प्रदर्शनात्मक उदाहरण।

(19) तालिकाओं, ग्राफ, रेखाचित्र, मानचित्र आदि की स्पष्टता, आकर्षकता एवं शुद्धता।

(20) आँकड़ों, उद्धरणों एवं सन्दर्भों की पर्याप्त संख्या, उनकी विश्वसनीयता एवं वैधता।

(21) **शैक्षिक सहायक साधन**–अभ्यासार्थ प्रश्न, उपयुक्त निर्देश, प्रस्तावना, परिशिष्ट आदि की यथार्थता एवं उपयुक्तता, सहायक पुस्तकों की सूची आदि का समुचित समावेश।

(22) **पाठ्य-पुस्तक की बाह्य आकृति**–पाठ्य-पुस्तकों के चयन के समय पुस्तक के आकार, पृष्ठ संख्या, कागज, मुद्रण, जिल्दसाजी, आवरण पृष्ठ की आकर्षकता आदि तथ्यों पर ध्यान देना चाहिए।

(23) **प्रकाशन**– (i) पुस्तक के प्रकाशक की विश्वसनीयता एवं प्रसिद्धि।

(24) प्रकाशन की तिथि।

(25) **मूल्य**–पुस्तक का मूल्य जन-सामान्य को ध्यान में रखकर निर्धारित किया जाना चाहिए तथा यथा-सम्भव न्यूनतम होना चाहिए।

Scanned by CamScanner